|  |  |
| --- | --- |
|  | [**Devnagari script**](http://en.wikipedia.org/wiki/Devnagari_script) |
| বন্দে মাতরম্৷ সুজলাং সুফলাং মলয়জশীতলাম্ শস্যশ্যামলাং মাতরম্!  শুভ্র-জ্যোত্স্না-পুলকিত-যামিনীম্ ফুল্লকুসুমিত-দ্রুমদলশোভিনীম্, সুহাসিনীং সুমধুরভাষিণীম্ সুখদাং বরদাং মাতরম্৷৷  সপ্তকোটীকন্ঠ-কল-কল-নিনাদকরালে, দ্বিসপ্তকোটীভুজৈধৃতখরকরবালে, অবলা কেন মা এত বলে! বহুবলধারিণীং নমামি তরিণীং রিপুদলবারিণীং মাতরম্৷  তুমি বিদ্যা তুমি ধর্ম্ম তুমি হৃদি তুমি মর্ম্ম ত্বং হি প্রাণাঃ শরীরে৷ বাহুতে তুমি মা শক্তি, হৃদয়ে তুমি মা ভক্তি, তোমারই প্রতিমা গড়ি মন্দিরে মন্দিরে৷  ত্বং হি দুর্গা দশপ্রহরণধারিণী কমলা কমল-দলবিহারিণী বাণী বিদ্যাদায়িণী নমামি ত্বাং নমামি কমলাম্ অমলাং অতুলাম্, সুজলাং সুফলাং মাতরম্  বন্দে মাতরম্ শ্যামলাং সরলাং সুস্মিতাং ভূষিতাম্ ধরণীং ভরণীম্ মাতরম্৷ | वन्दे मातरम् सुजलां सुफलाम् मलयजशीतलाम् शस्यशामलाम् मातरम्।  शुभ्रज्योत्स्नापुलकितयामिनीम् फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीम् सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम् सुखदां वरदां मातरम्।। १।। वन्दे मातरम्।  कोटि-कोटि-कण्ठ-कल-कल-निनाद-कराले कोटि-कोटि-भुजैर्धृत-खरकरवाले, अबला केन मा एत बले। बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं रिपुदलवारिणीं मातरम्।। २।। वन्दे मातरम्।  तुमि विद्या, तुमि धर्म तुमि हृदि, तुमि मर्म त्वम् हि प्राणा: शरीरे बाहुते तुमि मा शक्ति, हृदये तुमि मा भक्ति, तोमारई प्रतिमा गडि मन्दिरे-मन्दिरे  त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी कमला कमलदलविहारिणी वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम् नमामि कमलाम् अमलां अतुलाम् सुजलां सुफलाम् मातरम्।। ४।। वन्दे मातरम्।  श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम् धरणीं भरणीं मातरम्।। ५।। वन्दे मातरम्।। |